अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 159

प्रयागराज सोमवार 24 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

रेखा गुप्ता ने की गृह मंत्री से मुलाकात

● विधानसभा सत्र से पहले गृह मंत्री अमित शाह से मिलने उनके आवास पहुंचीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की। दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है। मंत्री अपने-अपने विभागों का गहन अध्ययन और योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। पिछली सरकार के कार्यकाल की कमियों को ठीक करने के लिए ताबड़तोड़ कदम उठाए जा रहे हैं। इन सबके बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की। भाजपा विधायक दल की बैठक आज वहीं, दिल्ली विधानसभा सत्र से पहले आज भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में विधायकों के साथ सदन में होने वाली कार्यवाही को लेकर चर्चा होगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में यह बैठक होगी। जिसमें सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री समेत सभी विधायक मौजूद रहेंगे। सीएजी रिपोर्ट होगी पेश 24 फरवरी को सुबह 11 बजे से सत्र शुरू होगा। पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा और लंबित सीएजी रिपोर्ट को सदन पटल पर रखा जाएगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होने के कारण सत्र नहीं बुलाया गया है। पक्ष-विपक्ष में नोकझोंक के आसार सत्र का तीसरा दिन यानी 27 फरवरी को पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो सकती है। सदन में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर बहस होगी। विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा और लंबित सीएजी रिपोर्ट को सदन पटल पर रखा जाएगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होने के कारण सत्र नहीं बुलाया गया है। पक्ष-विपक्ष में नोकझोंक के आसार सत्र का तीसरा दिन यानी 27 फरवरी को पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो सकती है। सदन में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर बहस होगी।

पीएम मोदी बोले- हर तरफ क्रिकेट की बात

भारत की स्पेस में सेंचुरी

● 8 मार्च को इंस्पायरिंग वुमेन यूज करेंगी मेरे सोशल अकाउंट

● भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छू रहाः प्रधानमंत्री मोदी

● भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रुप में उभर रहा हैः प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले महीने देश भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सौवें राकेट लांच का साक्ष्य बना है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का पता चलता है। श्री मोदी ने अपने श्मन की बातश मासिक कार्यक्रम में आज कहा कि पिछले महीने देश इसरो के सौवें राकेट लांच का साक्ष्य बना है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि स्पेस विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। हमारे स्पेस जर्नी की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम कदम पर चुनौतियां थी लेकिन हमारे वैज्ञानिक विजय प्राप्त करते हुए आगे बढते ही गये। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलता की सूची लंबी होती चली गई। उन्होंने कहा कि लांच व्हीकल का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो, आदित्य एल-1 या फिर एक ही राकेट से एक ही बार में 104 सेटेलाइट को अंतरिक्ष भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो। इसरो की सफलता का दायरा काफी बड़ा रहा है। बीते दस सालों में ही करीब 460 सेटेलाइट लांच की गई है और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी सेटेलाइट शामिल है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों की एक बड़ी बात ये भी रही है कि अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की हमारी टीम में नारी-शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुझे यह देखकर भी बहुत खुशी होती है कि आज अंतरिक्ष क्षेत्र हमारे युवाओं के लिए बहुत पसंदीदा बन गया है। कुछ साल पहले तक किसने सोचा होगा कि इस क्षेत्र में स्टार्ट अप और निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों की संख्या सैकड़ों में हो जाएगी। हमारे जो युवा जीवन में कुछ थ्रिलिंग और रोमांचक करना चाहते हैं उनके लिए अंतरिक्ष क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बन रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को बनाया गया नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने एलान किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। रविवार को पार्टी मुख्यालय पर हुई बैठक में सभी विधायकों ने आतिशी को विधायक दल का नेता चुना। आम आदमी पार्टी ने आज पार्टी मुख्यालय पर विधायक दल की बैठक बुलाई है जिसमें नेता प्रतिपक्ष के नाम पर मुहर लग गई है। आम आदमी पार्टी ने एलान किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी इस बैठक में शामिल हुए। रविवार को पार्टी मुख्यालय पर हुई बैठक में सभी विधायकों ने आतिशी को विधायक दल का नेता चुना। जिसके बाद अब साफ हो गया है कि दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाएंगी। बता दें कि 24 फरवरी यानी कल सुबह 11 बजे से दिल्ली विधानसभा सत्र शुरू होगा। पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होने के कारण सत्र नहीं बुलाया गया है। पक्ष-विपक्ष में नोकझोंक के आसार सत्र का तीसरा दिन यानी 27 फरवरी को पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो सकती है। सदन में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर बहस होगी।

62 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान

मुख्यमंत्री योगी ने इसे सदी की सबसे दुर्लभ घटना बताया

● मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है। आज जब मैं ब्रज भूमि में आया हूं जिसके पीछे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रही है। लंबे काल खंड से इसने भारत की सभ्यता और संस्कृति को प्रभावित किया है।

आगरा,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रयागराज के महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं और एक निश्चित कालखंड के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना अपने आप में सदी की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है। आगरा में 'यूनिकॉर्न कंपनीज कॉन्क्लेव' (यूनिकॉर्न कंपनियों का सम्मेलन) में मुख्यमंत्री योगी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, श्मैं इसे स्ट्टार्टअप की दुनिया का यूनिकॉर्न महाकुंभ कह सकता हूं। इस समय महाकुंभ के प्रति आकर्षण है।श उन्होंने कहा, श्मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है। आज जब मैं ब्रज भूमि में आया हूं जिसके पीछे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रही है। लंबे काल खंड से इसने भारत की सभ्यता और संस्कृति को प्रभावित किया है। योगी ने कहा कि कल ही प्रयागराज से आया और आज इस 'कॉन्क्लेव' के बाद मुझे पुनरू प्रयागराज पहुंचना है।श मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ में इस बार आने वाले श्रद्धालुओं की चर्चा करते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। योगी ने कहा, श्मुझे लगता है कि दुनिया के अंदर किसी भी आयोजन (चाहे वह आध्यात्म से जुड़ा हो या किसी भी तरह के पर्यटन से संबंधित हो) में एक निश्चित कालखंड के दौरान इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना और उस आयोजन के साथ एकजुट होना, अपने आप में सदी की दुर्लभतम घटनाओं में से एक है।श इस पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि उप्र में उनकी सरकार को इसे आयोजित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कुंभ की बात करते हैं तो कुंभ का इतिहास हमें इस बात पर सोचने के लिए मजबूर करता है कि भारत में प्राचीन काल से इस तरह के आयोजन की व्यवस्था थी। इसमें उप्र के प्रयागराज, उत्तराखंड के हरिद्वार, मध्यप्रदेश के उज्जैन और महाराष्ट्र के नासिक (त्र्यंबकेश्वर) समेत चार पवित्र स्थानों पर कुंभ का आयोजन होता है। इसकी पृष्ठभूमि में जाते हुए योगी ने कहा कि यह सोचा गया होगा कि जब एक समय ऐसा भी आएगा कि भारत का व्यक्ति अपनी परंपरा और अपनी संस्कृति से कटा हुआ महसूस करेगा तो उन्हें जोड़ने का कुंभ माध्यम बनेगा।

जनरल द्विवेदी फ्रांस की चार दिन की यात्रा पर रवाना

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को चार दिन फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हो गए। थल सेनाध्यक्ष सोमवार को पेरिस के लेस इनवैलिड्स में फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। दिन की शुरुआत गार्ड ऑफ ऑनर से होगी जिसके बाद उनकी फ्रांसीसी सेना प्रमुख जनरल पियरे शिल के साथ चर्चा होगी। बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना है। यात्रा कार्यक्रम में पेरिस में प्रतिष्ठित सैन्य स्कूल और संस्थान परिसर इकोले मिलिटेयर का दौरा भी शामिल है जहां थल सेनाध्यक्ष को भविष्य की लड़ाकू कमान के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जनरल द्विवेदी को फ्रांसीसी सेना के तकनीकी अनुभाग में जानकारी दी जाएगी और वे वर्सेल्स में बैटल लैब टेरे का दौरा करेंगे। मंगलवार को जनरल द्विवेदी मार्सिले जाएंगे जहां वे फ्रांसीसी सेना की तीसरी डिवीजन का दौरा करेंगे और उन्हें तीसरी डिवीजन के मिशन और भूमिका, द्विपक्षीय अभ्यास शक्ति, भारत-फ्रांस प्रशिक्षण सहयोग और फ्रांसीसी सेना आधुनिकीकरण कार्यक्रम (स्कॉर्पियन) के बारे में जानकारी दी जाएगी। अगले दिन जनरल द्विवेदी कार्पियाग्ने का दौरा करेंगे और लाइव फायरिंग अभ्यास के साथ स्कॉर्पियन डिवीजन के गतिशील प्रदर्शन को देखेंगे।

'अनुभव का कोई विकल्प नहीं'

● पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार पर साधा निशाना

जयपुर,(एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार प्रशासनिक फैसलों में अनुभवहीनता दिखा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में मीडिया से वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें एक बड़ा अवसर मिला है, क्योंकि वे पहली बार विधायक बने और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसा बहुत कम लोगों के साथ होता है, ऐसे में उन्हें अनुभवी सलाहकारों की जरूरत है।गहलोत ने कहा कि राजस्थान में भाजपा के कई अनुभवी नेता हैं, जिनका उपयोग सरकार को सुशासन देने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रशासनिक फैसलों में अनुभवहीनता दिखा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। जिलों के पुनर्गठन पर आपत्ति गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासनिक सुविधा के लिए नए जिले बनाए थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने उन्हें समाप्त कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कई राज्यों में राजस्थान से कम आबादी के बावजूद अधिक जिले हैं, जिससे जनता को सरकारी सुविधाएं आसानी से मिलती हैं। उन्होंने कहा कि जनता को अपने कामों के लिए 100-250 किलोमीटर तक का सफर करना पड़ता है, जो अनुचित है।उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगमों का विस्तार और सुदृढ़ीकरण आवश्यक था, लेकिन सरकार ने उल्टा कदम उठाते हुए नगर निगमों का एकीकरण कर दिया। उन्होंने इसे जनता के हितों के विरुद्ध बताया और कहा कि सुशासन के लिए इन इकाइयों को मजबूत करना चाहिए था। पूर्व मुख्यमंत्री ने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्दशा पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने जोधपुर के एमडीएम अस्पताल का जिक्र करते हुए कहा कि वहां करोड़ों रुपये का कर्ज हो चुका है, जिससे दवा और उपकरणों की आपूर्ति बाधित हो रही है। डॉक्टर भी इस स्थिति से दुखी हैं, क्योंकि वे मरीजों को अन्य राज्यों में रैफर करने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चिरंजीवी योजना को लेकर भ्रम की स्थिति बनाए हुए है।

उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में इस योजना के तहत इलाज बंद हो चुका है, क्योंकि उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा। सरकारी अस्पतालों में भी दवाओं और टेस्ट की सुविधा नहीं मिल रही है।

'क्या वन ट्रिलियन डॉलर में अमेरिका से आया '21 मिलियन डॉलर' भी जुड़ा है'

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किए जाने के सरकार के दावे पर एक बार फिर तंज कसा है। उन्होंने भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर तंज कसते हुए बोला कि जनता पूछ रही है कि कहीं डबल इंजन में एक इंजन 'विदेशी' तो नहीं? उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट

कर ये तंज कसा है। इसमें उन्होंने अमेरिका से मिले 21 मिलियन डॉलर के बारे में भी सवाल किए है। डोनाल्ड ट्रंप का बयान दरअसल, अमेरिकी संस्था यूएसएड की फंडिंग को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से भारत में शुरू हुआ बवाल थमा भी नहीं है कि ट्रम्प ने एक और बयान दे दिया। पहले उन्होंने कहा था कि अमेरिका से मिले 21 मिलियन डॉलर का मकसद किसी और को चुनाव जिताना था। उनके इस बयान पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि यह बयान बेहद परेशान करने वाला है। लेकिन अब (शुक्रवार 21 फरवरी को) ट्रंप ने इस मामले पर ताजा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 21 मिलियन डॉलर 'भारत में मतदान बढ़ाने के लिए दिए गए थे जो मेरे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी को मिले थे।' इस के बाद सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए तंज कसा है। अखिलेश यादव का तंज सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा।

चित्रकूट में 19 किमी लंबा जाम

● भोजन-पानी को तरसे श्रद्धालु, प्रयागराज हाईवे पर रेंगते रहे वाहन

चित्रकूट,(एजेंसी)। चित्रकूट में सड़क मार्ग से प्रयागराज से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को दिन से लेकर रात तक परेशान होना पड़ा। दिनभर वाहन सड़क पर रेंगते रहे। भीड़ से धर्मनगरी के प्रमुख मार्गों पर हर घंटे जाम लगता रहा। प्रयागराज से आने वाले वाहनों के रेले की वजह से शाम छह बजे से रैपुरा से शिवरामपुर के बीच 19 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जाने वाली लेन पर भी वाहन रेंगते रहे। सड़क मार्ग से प्रयागराज से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को शनिवार को दिन से रात तक परेशान होना पड़ा। वाहन सड़क पर रेंगते रहे। भीड़ से धर्मनगरी के प्रमुख मार्गों पर हर घंटे जाम लगता रहा। प्रयागराज से आने वाले वाहनों के रेले की वजह से शाम छह बजे से रैपुरा से शिवरामपुर के बीच 19 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस का कहना है कि जिले की सीमा से हर घंटे डेढ़ हजार से अधिक वाहनों का आवागमन हो रहा है। 24 घंटे में 45 हजार से अधिक वाहन आ-जा रहे हैं। कई वाहन चालकों ने बताया कि प्रयागराज से धर्मनगरी 120 किलोमीटर आने में आठ से नौ घंटे लग रहे हैं। वाहन रुक रुककर चल रहे हैं। शनिवार को दोपहर 12 बजे महाराष्ट्र के जुगेश ने बताया कि भरतकूप से कर्वी 13 किलोमीटर की दूरी तय करने में पांच घंटे लग गए, जबकि यह 15 मिनट का सफर है। इस दौरान उनके बच्चे की तबीयत खराब हो गई। रास्ते में शिवरामपुर के पास मेडिकल स्टोर से दवा ली। बीस रुपये वाली पानी की बोतल 40 रुपये में खरीदनी पड़ी। दोपहर एक बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर भरतकूप के पास गुजरात के अशोक भाई ने बताया कि जाम में फंसने से पानी के लिए तरस गए। रास्ते में दुकान दिखी तो पानी खरीदने के लिए उतरते तो वाहन चल देते थे। इस वजह से वह कार में ही बैठे रह गये। उनकी पत्नी व पुत्री को भूख लगी थी, तब रास्ते में एक ढाबे में रुककर खाना खाया। जेब के पैसे खत्म हो गये थे तो ऑनलाइन भुगतान करना पड़ा। दोपहर 2 बजे बरगढ़ के पास राजस्थान के अलवर निवासी घनश्याम ने बताया कि जाम की वजह से बच्चे भूख से परेशान रहे। प्रयागराज जाते समय शहर कर्वी से बाहर निकलने पर रैपुरा के पास कुछ खाया पीया।

संवेदनहीन रवैया

मासिक धर्म हर महिला के जीवन का एक सामान्य और प्राकृतिक हिस्सा है। ऐसे दिनों में शिक्षण संस्थाओं में भी सैनिटरी पैड छात्राओं की बुनियादी जरूरत है। स्कूलों में सैनिटरी पैड की व्यवस्था भी जरूरी है। लेकिन सैनिटरी पैड मांगने पर जब किसी छात्रा को न सिर्फ अपमानित होना पड़े बल्कि सजा के तौर पर एक घंटे तक कक्षा के बाहर खड़ा रहना पड़े तो स्कूल प्रबंधन की संवेदनहीनता ही उजागर होती है। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक बालिका विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा को ऐसी ही परिस्थिति से दो–चार होना पड़ा और परीक्षा के दौरान सैनिटरी पैड मांगने पर उसे सजा भुगतनी पड़ी।

शर्मसार करती ऐसी घटनाएं न केवल नैतिकता का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत भी है। ऐसा इसलिए भी कि स्कूल और कॉलेज केवल शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान ही नहीं हैं। वे बच्चों के सामाजिक और नैतिक विकास के लिए भी उत्तरदायी हैं। एक शिक्षक का कर्तव्य है कि वह वक्त–बेवक्त अपने शिष्य वर्ग की जरूरतों को समझे और उनके प्रति सहानुभूति रखे। छात्रा को अपमानित करना न केवल अनुचित था, बल्कि यह उसके मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालने वाला है। साफ जाहिर है कि समाज और शैक्षणिक संस्थानों में मासिक धर्म स्वच्छता और जागरूकता को बढ़ाने के लिए अभी भी बहुत प्रयास करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र सरकार को सरकारी और सहायता प्राप्त सरकारी स्कूलों में जाने वाली कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता नीति तैयार करने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि वह बालिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पीएमश्री योजना के तहत करीब 535 विद्यालयों में सैनिटरी पैड उपलब्ध करवा रही है।

कुछ अन्य राज्य सरकारें भी छात्राओं को मुफ्त में सैनिटरी पैड उपलब्ध करवा रही हैं, लेकिन जरूरत के वक्त छात्राओं को यह आसानी से मिल जाए, यह सुनिश्चित करना ज्यादा जरूरी है। होना तो यह चाहिए कि शैक्षणिक संस्थानों में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित अभियान चलें। स्कूलों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों और इनके लिए इनसिनरेटर (जलाने की मशीन) की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि छात्राओं को बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष न करना पड़े।

मासिक धर्म जैसे प्राकृतिक विषय को शर्म या उपेक्षा का कारण नहीं बनने देना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों को सुरक्षित माहौल प्रदान करना चाहिए, जहां छात्राएं अपनी जरूरतों को बिना झिझक व्यक्त कर सकें।

बदलती दुनिया का बदलता विज्ञापन

'बात वो करो, जो सर चढ़कर बोले और कोई तोले तो सिर्फ तोले में तौले', ये बात एडवरटाइजिंग की दुनिया और उसके कॉन्टेंट पर बखूबी लागू होती है क्योंकि वहाँ न बहुत कुछ कहने का समय होता है और न ही बहुत कुछ कहने की जरूरत होती है।

कहते हैं एक असरदार विज्ञापन दुनिया की सोच, समझ, खव्वाहिशों और तौर–तरीके बदलने की ताकघ्त रखता है, लेकिन देखिए क्या जमाना आ गया है जनाब, दुनिया को बदलने का दावा करनेवाला विज्ञापन जगत आज खुघ्द ही बदल रहा है, अपनी 'कहानी' में भी और अपनी 'कहनी' में भी, मतलब बात में भी और बात के कहने के तरीकघ्े में भी।

विज्ञापन की दुनिया कम शब्दों में या बिना शब्दों के भी, अपनी बात कहने की शक्ति रखती है। कभी–कभी जो बात शब्द नहीं कह पाते वो बात एक तस्वीर या एक विजुअल कह जाता है। इसीलिए एडवरटाइजिंग का कॉन्टेंट लिखने–कहने और दिखाने के मामले में, हमेशा से सबसे अलग रहा है। इसके मूल में क्रिएटिविटी होती है जिसका मकघ्सद होता है लोगों को अपनी कही–दिखायी बात से आकर्षित करना, अपने प्रोडक्ट या सर्विस की खूबियों पर बात करते हुए, आपकी जरूरतों से उसे जोड़कर, उसको खरीदने के लिए आपके मन में चाहत को पैदा करना।

आज तेजी से बदलती दुनिया में एडवरटाइजिंग को भी ये डर है कि कहीं वो पीछे न छूट जाए। उसको भी जेनरेशन गैप का खधैफ है। इसीलिए विज्ञापन अब साँचा नहीं बन रहा है जो समाज को अपने में ढाले, बल्कि अब वो खुघ्द ढल रहा है। उसका कॉन्टेंट लचीला हो रहा है, वो केवल कस्टमर या क्लाइंट के हिसाब से ही नहीं बदल रहा है बल्कि किस माध्यम से उसे दिखाया जाएगा, उससे भी बदल रहा है। देश में फिल्मों के गहरे असर की वजह से दृश्यात्मक विज्ञापन फिल्म हमेशा से हॉरिजोंटल स्क्रीन के लिए बनती थीं पर अब मोबाइल की वजह से वर्टिकल बन रही हैं। पहले इंग्लिश और हिंदी के अलग–अलग जुबानी खाँचे थे, लेकिन अब ये सरहदें टूट रही हैं । सोसाइटी में अब भाषा को लेकर एक अलग ही सहजता है। इसीलिए अब नये–पुराने के बीच का एक रास्ता निकाला गया है, और वो है 'हिंग्लिश', जिसमें हिंदी–इंग्लिश का फ्यूजन है। इससे भी बड़ी बात ये है कि आजकल लोग अपनी बोलियों में देखना–सुनना चाहते हैं। विज्ञापन जगत ने इस बात को बखूबी समझा और उनको लगा कि अगर हम लोगों को उनकी बोली में समझाएँगे तो उन्हें ज्यादा जल्दी समझ आएगा और विश्वसनीय भी लगेगा। अपनी बोली में अपनेपन का जो भाव होता है, उसमें अपनी ओर खींचने की अजब ही ताकघ्त होती है। विज्ञापन का तो काम ही लोगों को अपनी ओर खींचना होता है। इस वजह से ही बोलियाँ भी कॉन्टेंट में बदलाव का कारण बन रही हैं। चित्रात्मक या दृश्यात्मक रूप से बात की जाए तो हमको विजुअल कॉन्टेंट में एक बड़ा विरोधाभासी बदलाव भी दिखता है। एक तरह देश–प्रदेश की संस्कृति के रंग और पैटर्न, उत्सव और पर्व प्रिंट के डिजाइन–लेआउट से लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के विज्ञापनों में जबरदस्त जगह बना रहे हैंय वहीं दूसरी तरफ एनिमेशन और ग्राफिक्स की नयी तकनीक भी अपनी धाक जमा रही है। इसमें सबसे आश्चर्य की बात ये है कि एक ही उपभोक्ता दोनों तरह के विज्ञापनों को सराहता है। अगर इन दोनों के बीच चुनाव का मौका आता है तो विज्ञापन एजेंसियाँ प्रोडक्ट और सर्विस के नेचर और टारगेट ग्रुप के हिसाब से दोनों में से किसी एक को चुनती हैं या फिर यहाँ भी दोनों को मिलाकर कुछ नया कर जाती हैं।

अब तो प्रिंट मीडिया में भी एक्सपेरिमेंट किये जा रहे हैं, लोगों को

इन्वॉल्व करने के लिए उसमें एक्टिविटी को जोड़ा जा रहा है, जैसे किसी स्याही को गीले कपड़े से साफ कीजिए तो उसके नीचे कुछ और निकलेगा या फिर परत के अंदर परत का निकलना। होर्डिंग के विज्ञापनों में 3 डाइमेंशनल विज्ञापन आ गये हैं। हाथ की पेंटिंग की जगह तो काफी पहले फ्लेक्स प्रिंटिंग ने ले ली थी, अब डिजिटल स्क्रीन के लिए और भी अट्रैक्टिव कॉटेंट डिजाइन किए जा रहे हैं। वीडियो स्क्रीन लगने से लोगों का अटेंशन बढ़ा है। लोगों को लगता है ये अगले पल बदल जाएगा, तो वो और भी ध्यान देकर देखते हैं। एआई के आ जाने से लोगों को नया एक्सपीरिएंस हो रहा है। एआई के सहारे ऐसे भी विज्ञापन बने हैं जिसमें गली–मोहल्ले तक की दुकानों के नाम एक सुपर स्टार के मुँह से बोलते हुए दिखाए गये हैं।

कॉन्टेंट के मामले में एक अच्छी बात ये हुई है कि 'सामाजिक मुद्दे' अब केवल सीएसआर मतलब कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी तक ही सीमित नहीं रह गये हैं। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बहुत सारे कॉन्टेंट डेवलप किये जा रहे हैं। ट्रांसजेंडर या फिर सेनेटरी नेपकिन जैसे अब तक प्रतिबंधित–से मुद्दे अब खुलकर विज्ञापनों का हिस्सा बन रहे हैं। स्किन कलर या बॉडी शेमिंग जैसे कई संवेदनशील विषय हों या फिर सामाजिक एकता जैसे गंभीर मुद्दे, विज्ञापन जगत ऐसे विषयों को लेकर दिल को छूनेवाले कॉन्टेंट बनाकर नये जमाने का संदेश देने में लगातार अच्छा काम कर रहा है।

नयी पीढ़ी के रुझान को देखते हुए अब कॉन्टेंट बनाने में ह्यूमर और विट को और भी ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसा माना जाता है कि न्यू जेनरेशन बहुत देर तक कुछ नहीं देखना चाहती है मतलब उसका अटेंशन स्पैन बहुत क्षणिक होता है, कई बार तो पांच सेकंड से भी कम। ऐसे में हल्के–फुलके में कही गयी बात इंगेजिंग कॉन्टेंट बन जाती है और विज्ञापन अपनी बात कहने के लिए डाइरेक्ट या इनडायरेक्ट रास्ता निकाल लेते हैं। नये जमाने की आकांक्षाएं केवल प्रोडक्ट्स को ही नहीं सर्विसेज को भी बदल रही हैं। पहले समस्याओं के समाधान के लिए या जिंदगी को आसान बनाने के लिए नयी वस्तुएं या सेवाएं आती थीं, अब नयी उम्मीदें हैं, नया माइंडसेट है। जिसके लिए तरह–तरह के एप बन रहे हैं। इनके विज्ञापनों से टीवी, अखघ्बार और सोशल मीडिया भरे पड़े हैं। इनके लिए यूनिक कॉन्टेंट की अपेक्षा होती है, जिससे लोग न केवल इनके बारे में जानें बल्कि इस्तेमाल के लिए डाउनलोड भी करें। ऐसे कॉन्टेंट एक तरफ एजुकेटिव और इंफॉर्मेटिव होते हैं तो साथ ही एंटरटेनिंग भी, नहीं तो केवल सूचनात्मक कॉन्टेंट पब्लिक के लिए बहुत बोरिंग हो जाता है।

एक और बात ये है कि अब कॉन्टेंट टिकाऊ जैसी बातें कम करते हैं क्योंकि लोग बहुत दिनों तक कुछ भी इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं। चेंज और एक्सचेंज आज की सोसाइटी और बाजार की दुनिया में बहुत प्रचलित हो चला है। इसीलिए कॉन्टेंट भी उन्हीं की तरह फास्ट चेंजिग हो गया है।आजकल कुछ भी एक समय से ज्यादा नहीं चलता। इसीलिए कई तरह के कॉन्टेंट बनाए जाते हैं। जिन चीजों के विज्ञापन पर प्रतिबंध हैं उनके लिए घुमाफिराकर रास्ते निकालने में आज के कॉन्टेंट क्रिएटर बहुत माहिर हैं। ऐसे विज्ञापनों को सरोगेट एडवरटाइजिंग माना जाता है, जैसे शराब का विज्ञापन न करके, उसी के नाम का पानी, सोडा या ग्लास बेचना। सरोगेट कॉन्टेंट बहुत सावधानी से लिखे जाते हैं जिससे नियम–कघनून के जाल में फँसने से बचा जा सके। किसी देश के झंडे और नकघ्शे या किसी अन्य संवेदनशील विषय को लेकर भी जो कॉन्टेंट बनाए जाते हैं वो आजकल सीधे न दिखाकर सांकेतिक रूप से अधिक दिखाए जाते हैं।

कहते हैं सबसे प्रभावशाली विज्ञापन वो होता है जो लोगों की आदत बदल दे, सोच बदल दे, नजर और नजरिया बदल दे और इसकी जिम्मेदारी विज्ञापन के कॉन्टेंट के कंधों पर होती है। आज के सोशल मीडिया के कैंसल कल्चर और तुरंत ट्रोल कर दिये जाने की वजह से कॉन्टेंट राइटिंग एक जोखिमभरा काम बन गया है। एक गलती पूरी जिन्दगी के लिए भारी पड़ सकती है।

कई बार तो जनाक्रोश की वजह से विज्ञापन वापस लेने पड़ते हैं। सार्वजनिक माफियाँ भी माँगी जाती हैं। इसीलिए कॉन्टेंट को लेकर सभी एडवरटाइजिंग एजेंसियाँ बहुत सचेत हो गयी हैं। कई बार एक विज्ञापन को बनाने, प्रकाशित या चलाने से पहले लीगल ओपिनियन तक ली जाती है। इसीलिए अब हर विज्ञापन के कॉन्टेंट को कानूनी, सामाजिक, सांस्कृतिक और कभी–कभी आस्था की तराजू पर तौलकर भी देखा जाता है, जिससे किसी की भावना हत न हो। आजकल हर तरह से संतुष्ट होकर ही कोई विज्ञापन जनता के सामने आता है। कॉन्टेंट के संदर्भ में एक कॉन्टेंट राइटर के लिए सबसे बड़ा बदलाव ये है कि कॉन्टेंट क्रिएट करने में अब पहले जैसी आजादी नहीं रही, यहाँ कल्पना की उड़ाने भरने की छूट तो है लेकिन एक सीमित पिंजरे के अंदर।

दृ नीलेश के. जैन, एक्स एग्जीक्यूटिव क्रिएटिव डायरेक्टर, फिल्म और एड फिल्म राइटर–डायरेक्टर, क्रिएटिव कन्सलटेंट, मुंबई

...नहीं तो मां बनने के सुख से रह जाएंगी वंचित

खराब जीवनशैली और लाइफस्टाइल का असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है. इनमें से अधिकतर महिलाएं बांझपन की समस्या से जूझ रही हैं. इसके पीछे सबसे बड़ा कारण खराब खानपान के कारण हार्मोनल इनबैलेंस,

थॉयराइड और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जैसी बीमारियां हैं. पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं का सीधा कनेक्शन खराब खानपान और लाइफस्टाइल के कारण होता है. जिसकी वजह से कम उम्र की महिलाएं भी इनफर्टिलिटी की शिकार होती है. आइए जानते हैं इसके बारे में... पीसीओएस यानी पॉलिटिशियन अंडाशय सिंड्रोम ऐसी ही एक बीमारी जिसकी चपेट में आज दुनियाभर की करीब 116 मिलियन महिलाएं हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीओएस एक ऐसी सामान्य स्थिति है, जो महिलाओं में एक उम्र के बाद दिखाई देने लगती है. जो महिलाओं के अंडाशय को प्रभावित करता है.

इन बीमारियों के कारण महिला नहीं होता गर्भवती–

1. ओव्यूलेशन संबंधी समस्याएं
2. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम
3. हार्मोनल असंतुलन
4. तनाव और मोटापा
5. शरीर का कम वजन
6. थायरॉइड की समस्या

पीसीओएस के लक्षण–पीसीओएस के कई समान लक्षण हैं. इनमें से कुछ सबसे पहले चेहरे पर नजर आते हैं. जब महिलाओं में एण्ड्रोजन या पुरुष हार्मोन का स्तर अधिक होता है, तो इसके संकेत चेहरे पर पाए जाते हैं एण्ड्रोजन पीसीओएस से संबंधित मुँहासे का कारण बनते हैं. अगर किसी महिला के चेहरे के ठुड्डी और गर्दन के आस–पास मुंहासे हैं तो ये पीसीओएस के लक्षण हो सकते हैं.

पीसीओएस का इलाज–अगर किसी महिला को पीसीओएस की समस्या है तो सबसे पहले उसे अपनी जीवनशैली में बदलाव करना चाहिए. अगर वजन बढ़ रहा है तो उसे नियंत्रित करना सबसे जरूरी है. अपने दिनचर्या

बीमार समाज और खराब वातावरण

दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक में लगातार गिरावट जारी है। जो पांच सौ के पार जा चुकी है। वायु प्रदूषण के इस स्तर को खतरनाक से भी खतरनाक वाले स्तर पर बताया जा रहा है।आंकड़ों के अनुसार राजधानी के आसमान पर धूल की मोटी परत छाई हुई है। दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का पीएम 2.5 बाताया गया, जो वि स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से पैंसठ गुना अधिक खतरनाक पाया गया। इस गंभीरता को इससे समझा जा सकता है कि शून्य से पचास को अच्छा व 51 से सौ को संतोषजनक माना जाता है। जो बढ़ते–बढ़ते 401–450 के बीच गंभीर व 451 से ऊपर बेहद गंभीर माना जाता है।खबरें हैं कि उन्हें सन संबंधी समस्याओं के अलावा खांसी जैसी समस्याएं आम हैं। गले में खुश्की और खराश की शिकायतें भी खूब की जा रही हैं। दिवाली में जलाए गए पटाखों से उठा धुंआ भी इस अचानक खतरनाक हुई हवा का कारण बताया जा रहा है। पटाखों को प्रतिबंधित करने तथा लगातार जागरूकता फैलाने के बावजूद कोई खास असर होता नहीं नजर आ रहा। सारा दोष आतिशबाजी को देना उचित नहीं है क्योंकि दिवाली के साथ ही हवा की मंद पड़ती गति व लगातार स्मॉग बने रहने के चलते भी वायु प्रदूषण जानलेवा बन गया।दिल्ली–एनसीआर का यह इलाका प्रतिवर्ष इसी मौसम में देश भर में सबसे प्रदूषित के दायरे में आ जाता है। कहा जाता है कि इसके कारणों में वाहनों की हिस्सेदारी 16त्न से अधिक होती है। परंतु पराली के धुएं की भागीदारी बढ़कर 35त्न तक बढ़ गई थी। हरियाणा, पंजाब व उप्र से आने वाली हवाओं को इसका दोषी ठहराया जाता है। जब तक यह स्तर खतरनाक बताया जाता है, दोषारोपण भी उसी गति से बढ़ता रहता है।हवा की गुणवत्ता को सुधारने के प्रति न तो ठोस कदम उठाए जाते हैं, न ही इन चेतावनियों को गंभीरतापूर्वक लिया जाता है। वायु प्रदूषण के चलते इन इलाकों के आधे से अधिक बाशिंदों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें

तो हैं ही। ढेरों लोग बेमौत मारे भी जाते हैं।विचारणीय है कि देश के 72 देशों में वायु गुणवत्ता खराब के दायरे में आने के कारणों की पड़ताल होनी चाहिए। हम अपनी आने वाली नस्लों को बीमार समाज और खराब वातावरण देकर किसी का भला नहीं कर रहे। हम इस गंभीरता पर समय रहते चेते नहीं इसलिए आज इस खतरनाक स्तर को झेलने को मजबूर हैं।

चुनौतियों के साथ आते हैं अवसर भी

प्रो. हिमांशु राय निदेशक, आइआइएम इंदौर

वर्तमान डिजिटल युग में प्रभावी नेतृत्व का मतलब है तकनीक का सही और उचित उपयोग करना, सहयोग को बढ़ावा देना और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करना। आइआइएम इंदौर में मेरे कार्यकाल के दौरान शुरू की गई प्रमुख पहलों में से एक आइआइटी इंदौर के सहयोग से एक नए डिग्री प्रोग्राम का शुभारंभ था। प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रचलन के तहत, इस साझेदारी का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरूविषय विशेषज्ञता से लैस करना था। कार्यक्रम ने प्रबंधन शिक्षा की विश्लेषणात्मकता को इंजीनियरिंग की तकनीकी दक्षता के साथ जोड़ा। इसमें छात्रों को जटिल वैश्विक चुनौतियों को समझने और उनका समाधान खोजने की क्षमता विकसित करने के लिए तैयार किया गया।

एक संस्थान की आधारभूत संरचना संस्थान की सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी बात को ध्यान में रखकर हमने डिजिटल कैंपस मैनेजमेंट सिस्टम के निर्माण को प्राथमिकता दी। इस पहल ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया, सीखने के अनुभवों को बढ़ाया और छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए संसाधनों तक निर्बाध पहुंच प्रदान की। डिजिटल अटेंडेंस ट्रैकिंग से लेकर अकादमिक प्रदर्शन के लिए एआई–संचालित एनालिटिक्स तक, सिस्टम ने सिद्ध कर दिया कि तकनीक के प्रयोग से एक अधिक कुशल और आकर्षक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण किया जा सकता है।हमने डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके सामाजिक समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से परियोजनाएं शुरू कीं। उदाहरण के लिए, हमने बेहतर शहरी नियोजन के लिए ट्रैफिक पैटर्न का विश्लेषण करने की पहल पर काम किया और सार्वजनिक स्वास्थ्य में संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने के लिए पूर्वानुमान मॉडलिंग का उपयोग किया। इन परियोजनाओं के माध्यम से हमने यह भी सिद्ध किया कि शैक्षणिक संस्थान अपने बौद्धिक संसाधनों का उपयोग सार्थक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए कर सकते हैं। यह सत्य है कि डिजिटल युग चुनौतियां लाता है, पर अवसर भी प्रस्तुत करता है।

सबसे बड़ी चुनौती

भारत ने जब विमान निर्माण के क्षेत्र में ऊंची महत्त्वाकांक्षा रखते हुए अब कदम रखा है, तो क्वालिटी और किफायत के पहलू उसके आगे सबसे बड़ी चुनौती हैं। बेशक, टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्पलेक्स में मौजूद प्रबंधक इस चुनौती से वाकिफ होंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने गुजरात के वडोदरा में अति–महत्त्वाकांक्षी विमान परियोजना का उद्घाटन किया है। इसके तहत प्रतिस्पर्धी कीमत पर विमान या उसके पाट–पुर्जे बना कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारना संभव हुआ, तो वह सचमुच एक बड़ी उपलब्धि होगी। टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स्य नाम से निर्मित इस परियोजना के तहत यूरोप की मशहूर विमान निर्माता कंपनी एयरबस और भारत के टाटा ग्रुप ने साझा उद्यम लगाया है। जाहिर है, इसमें तकनीक और विशेषज्ञता एयरबस लगाएगी, जबकि टाटा समूह स्थानीय ढांचे तथा कुशल कर्मियों का योगदान करेगा। बताया गया है कि यहां सी–295 सैन्य यातायात विमानों का उत्पादन होगा। 2021 में एयरबस डिफेंस और स्पैनिश कंपनी श्स्पेस एसएच के साथ 56 सी–295 विमानों की सप्लाई के लिए 21,935 करोड़ रुपयों के समझौते पर भारत की ओर से हस्ताक्षर किए गए थे।

सूचनाओं के मुताबिक यहां आरंभिक 16 विमान तो स्पेन से मंगवाए जाएंगे, लेकिन उसके बाद 40 विमानों का यहीं पर उत्पादन होगा। विमानों की असेंबली, परीक्षण, डिलीवरी और मेंटेनेंस भी यहीं पर होगी। सांचेज ने एलान किया कि इस परिसर में पहला विमान 2026 में बन कर तैयार होगा। एयरबस यूरोपीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है, जिसका मुख्यालय फ्रांस में है। लेकिन इसमें अनेक यूरोपीय देशों के कारोबारियों का निवेश है। स्पेन उसका एक बड़ा उत्पादन स्थल है, हालांकि उसके पाट–पुर्जे यूरोप के कई देशों में तैयार होते हैं। अमेरिका की बोइंग और यूरोप की एयरबस– अब तक दुनिया में ये ही दो बड़ी विमान उत्पादक कंपनियां रही हैं। बोइंग के संकटग्रस्त होने के बाद एयरबस ने अपने कारोबार में बड़े उछाल की आस जोड़ी है।हालांकि इस बीच चीन भी विमान निर्माण के बाजार में उतर चुका है। अपने घरेलू बाजार के अलावा इस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को कई देशों से ऑर्डर मिल चुके हैं। जैसा कि आम चलन है, चीनी उत्पाद किफायती पड़ते हैं और इसलिए बाजार में छा जाते हैं। भारत ने जब विमान निर्माण के क्षेत्र में ऊंची महत्त्वाकांक्षा रखते हुए अब कदम रखा है, तो यह पहलू उसके आगे सबसे बड़ी चुनौती है। बेशक, टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्पलेक्स में मौजूद प्रबंधक भी इस चुनौती से वाकिफ होंगे।

महाशिवरात्रि पर्व के पूर्व समस्त व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित करायें: जिलाधिकारी

समस्त एसडीएम और सीओ अपने क्षेत्र में भ्रमण□ील रहकर महा□िवरात्रि पर्व को सकु□ाल सम्पन्न करायें–डीएम

प्रतापगढ। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर काफी संख्या में श्रद्धालु बाबा घुइसरनाथधाम, बेलखरनाथ धाम, भयहरणनाथ धाम, हौदेश्वरनाथ धाम तथा अन्य महत्वपूर्ण शिवालयों पर जलाभिषेक करते है। इन सभी स्थलों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था, सफाई तथा पेयजल के साथ–साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने कैम्प कार्यालय में महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौपे।

बैठक में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने बताया कि बाबा घुइसरनाथधाम में 30वॉ राष्ट्रीय एकता महोत्सव 25 फरवरी से 27 फरवरी 2025 तक मनाया जायेगा जिसमें आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था, महिला पुलिस की तैनाती, वैरीकैडिंग, फायर बिग्रेड, नदी के किनारे नाव व गोताखोर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। चिकित्सा विभाग को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में अस्थायी चिकित्सा केन्द्र, एम्बुलेन्स आदि की व्यवस्था हेतु निर्देश दिया गया। जल निगम एवं नगर पालिका/नगर पंचायत के अधिकारी को निर्देशित किया कि मन्दिर परिसर में पानी की व्यवस्था निरन्तर बनी रहे और पानी के टैंकर की व्यवस्था करा ली जाये। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में अस्थायी शौचालय का निर्माण कराया जाये, सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की जाये और मेला क्षेत्र की

दिन में 03 बार सफाई करायी जाये जिससे वहां पर कूड़ा करकट इकट्ठा न हो। खण्ड विकास अधिकारी लालगंज एवं सांगीपुर को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में अपनी देखरेख में सफाई कर्मियों से कराया जाये। विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में विद्युत की आपूर्ति निरन्तर बनी रहे, इसमें अनावश्यक रूप से कटौती न की जाये। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में वैरीकेडिंग करायी जाये। राष्ट्रीय एकता महोत्सव बाबा घुइसरनाथधाम में खादी ग्रामोद्योग, चिकित्सा विभाग, आंवला उत्पादन प्रदर्शनी, कृषि विभाग, हार्टीकल्चर, बाल विकास परियोजना, वन विभाग, नेडा, पशुपालन, सूचना विभाग, मत्स्य पालन, जिला पंचायत राज विभाग आदि के द्वारा प्रदर्शनी लगायी जाये। पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। उपजिलाधिकारी लालगंज को निर्देशित किया गया कि बाबा घुइसरनाथधाम सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी करते रहे और सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय बनाकर महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पन्न करायेगें।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा घुइसरनाथधाम, बेलखरनाथ धाम, हौदेश्वरनाथ धाम, भयहरणनाथ धाम तथा अन्य महत्वपूर्ण शिवालयों पर जो व्यवस्थायें करते आ रहे है वैसे ही आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर पूर्व से ही अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करा लें, जिनकों जो दायित्व एवं कार्य सौपे गये गये है उसका पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करें, लापरवाही कदापि न बरते, महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पन्न करायें। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों व सीओ को निर्देशित किया कि अपने महत्वपूर्ण शिवालयों का निरीक्षण कर लें, जो भी कमियां पायी जाये उसे दुरूस्त करा लें जिससे महाशिवरात्रि पर्व के दिन किसी भी प्रकार की समस्या न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने सीओ को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के दृष्टिगत निगरानी रखी जाये, मन्दिरों का कपाट समय से खोला जाये, खोया–पाया केन्द्र बना लें और साउण्ड सिस्टम बेहतर हो जिसकी आवाज पूरे मेला क्षेत्र में सुनायी दे। पार्किंग स्थल का चिन्हांकन कराकर वैरीकेडिंग करा ली जाये जिससे जाम की समस्या न उत्पन्न हो। मेला क्षेत्र में दुकाने निर्धारित स्थलों पर लगायी जाये, एन्टीरोमियों की टीम लगायी जाये। मेले में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे जिससे किसी भी प्रकार की घटना न घटित हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी अजय कुमार तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया

आजमगढ़ । भारतीय जनता पार्टी मण्डल पल्हना के कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के पूर्व क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश सिंह तिलखरा थे ।तथा अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष विक्रांत सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि दीनदयाल जी प्रखर राष्ट्रवाद के समर्थक थे।उनका एकात्म मानववाद आने वाली पीढ़ियों का सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही उनकी विचारधारा का मुख्य अंग था। समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही समाज और राष्ट्र का उत्थान संभव है। पार्टी ऐसे दूर दृष्टि वाले महा मानव की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मना रही है। हमें बूथ स्तर पर इस कार्यक्रम को करना है।ब्लाक प्रमुख अनुराग सिंह सोनू ने कहा कि दीन दयाल जी उपाध्याय के विचार सार्वकालिक और प्रासंगिक हैं। दीनदयाल जी के विचारों से प्रेरित होकर ही भारतीय जनता पार्टी अंत्योदय जैसी अनेक योजनाएं गरीबों के लिए चल रही है। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश सिंह तिलखरा ,अध्यक्ष अशोक राय ,रामा साव, दिलीप मिश्र सहित आदि लोग उपस्थित रहे ।

संक्षेप

एस एन कान्वेंट स्कूल में फिस्टा 6 का हुआ समापन

कौशाम्बी। एस एन कान्वेंट स्कूल में फिस्टा 6 का समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरुवात विद्यालय के प्रबन्धक जुनैद अहमद ने फीता काट कर शुरुवात की महामुकाबले में कई बच्चों ने प्रतिभाग किया। हार जीत का खेल तो बना रहता इसी हार जीत के खेल में आज फाइनल मुकाबले में सबसे पहले खो खो करवाया गया जिसमें पूनम की टीम एलो हाउस जीती,वही पांच बार की चौंपियन टीम को फाइनल में ब्लू हाउस को हरा कर एलो हाउस की टीम टीम जीत दर्ज की और अनेक खेलो में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले समस्त छात्रों को मेडल प्रमाणपत्र व शील्ड दिया गया विद्यालय के प्रधानाचार्या आयशा सिद्दकी व मैनेजर मिस्टर नौशाद सर ने बच्चों को खेल विषय में बताया था प्रतिभाग में सफल बच्चों को बधाई दी तथा असफल बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि हार जीत सिक्के के दो पहलू होते है किसी न किसी के हार का सामना करना पड़ता है इससे हमको परेशान नहीं होना चाहिए आज आपकी हार हुई है तो निश्चित तौर पर कल आपकी जीत होगी इस अवसर पर विद्यालय के ही अध्यापक राजवीर चौधरी, फैजान हैदर, व और अध्यापक राम, अमित, आशीष, पिंकी, प्रीति, सगुफ्ता रोशनी, प्रियंका और विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे हैं।

जालसाजों ने एटीएम बदलकर पार किया 45 सौ रुपए, केस

कौशाम्बी। सदर कोतवाली के एक बैंक में एटीएम से पैसा निकालने गए युवक का जालसाजों ने एटीएम पार कर उसमें से 45 सौ पार कर दिया , मामले की जानकारी पर पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की , पुलिस ने केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।सदर कोतवाली के मवई केवट निवासी अकबर अली पुत्र जान मोहम्मद ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह 20 फरवरी को मंझनपुर स्थित एक एटीएम बूथ में पैसा निकालने गया था जहां एटीएम बूथ में पहले से मौजूद तीन लोगों ने जालसाजी कर उसका एटीएम पार कर दिया और उसमें से 45 सौ रुपए पार कर दिया , मामले की जानकारी पर पीड़ित ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार

सिराथू, (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली के एक गांव में रहने वाला एक छात्र घर से खेलने गया था जिसके बाद लापता हो गया , परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।सैनी कोतवाली के त्रिलोकपुर निवासी जयसिंह पुत्र हरिश्चंद्र पटेल ने शनिवार को सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसका 12 वर्षीय पुत्र मनीष को गुरुकुल महाविद्यालय में कक्षा पांच का छात्र है , शुक्रवार को खेलने गया जिसके बाद घर वापस नहीं लौटा, काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

शुरू किया सदस्यता अभियान

चायल, (कौशाम्बी)। अपना दल कमेरावादी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को महगांव में एक बैठक का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हाफिज मोबीन ने किया।बैठक

में पार्टी को मजबूत करने के साथ साथ सदस्ता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। प्रदेश सचिव मुशीर अहमद जाफरी ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष व विधायक पल्लवी पटेल के अथक प्रयासों व जुझारुपन से प्रभावित होकर लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं।जिलाध्यक्ष मनोज पटेल ने कहा कि अपना दल कमेरावादी की नीतियों से समाज में संतुलन बनाने का प्रयास किया जा रहा है।विधायक पल्लवी पटेल समाज के पिछड़े,दलित और अल्पसंख्यकों के हितों की लड़ाई लड़ रही हैं। वह सड़क से विधानसभा तक इसकी आवाज उठा रही हैं।सचिव मुशीर अहमद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मलाक मोइनुद्दीनपुर और उमरछा आदि गांवों में सदस्ता अभियान चलाया। इस अवसर पर मोहम्मद साजिद, नसीम अहमद, सलीम अहमद, सुनील कुमार, पुरुषोत्तम लाल, विजय कुमार, सईद उल्लाह, रफत, आफताब, रामहित, असलम, जावेद और राशिद अखलाक आदि मौजूद रहें।

प्रतियोगिता का किया आयोजन

गोण्डा। विभागीय उच्च अधिकारियों के निर्देश के क्रम मे शनिवार को कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गयी। दो श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता की प्रथम श्रेणी में कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया तो वहीं दूसरी श्रेणी में कक्षा छः से आठ तक के बच्चों में प्रतिभाग किया। विद्यालय के भाषा शिक्षक अरुण मिश्रा ने बताया की विभागीय निर्देश के क्रम में छात्र–छात्राओं के लेखन कौशल को निखारने एवं उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दिए जाने की दृष्टिगत हिंदी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसके अंतर्गत कुल 32 बच्चों ने प्रतिभाग किया । प्रथम श्रेणी से सतीश कुमार को और द्वितीय श्रेणी से कृष्णा को सर्वश्रेष्ठ लेखन के लिए चयनित किया गया। दोनों विजयी छात्रों को विद्यालय की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तो वहीं अन्य सभी प्रतिभागी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया । इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सलमान गोपाल प्रसाद अरुण मिश्र सौरभ वर्मा विजय कुमार भारती और महेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

कृशक बन्धु फार्मर रजिस्ट्री का कार्य भीघ्र करायेःडीएम

प्रतापगढ। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने जनपद के कृषक बंधुओ से अपील करते हुये कहा कि जनपद के समस्त कृषक बंधु अपने भूलेख का फार्मर रजिस्ट्री का कार्य अपने नजदीकी सहज जनसेवा केन्द्र से शीघ्र कराले, जिससे उन्हे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पी0एम0किसान) योजना की अगली किश्त प्राप्त करने में बिलम्ब न हो। फार्मर रजिस्ट्री हेतु कृषक को अपना आधार कार्ड एवं आधार लिंक मोबाइल नम्बर तथा खतौनी की प्रति लेकर स्वयं अथवा किसी भी सहज जनसेवा केन्द्र के माध्यम से ऑनलाइन कराना है। फार्मर रजिस्ट्री से संबधित कृषक की समस्त भूमि का विवरण एक जगह पर अंकित हो जायेगा, जिससे कृषको को सरकार की समस्त लाभकारी योजनाओ यथा, किसान क्रेडिट कार्ड (के0सी0सी0), फसल बीमा, कृषि उपज विक्रय, पी0एम0किसान योजना एवं अन्य संबधित योजनाओ का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सकेगा और कृषको को बार–बार भूलेख संबधी विवरण योजनाओ के लाभ हेतु प्रस्तुत नही करना पडेगा।

जिलाधिकारी ने फार्म रजिस्ट्री कार्य को संपादित करने हेतु जनपद के समस्त सहज जनसेवा केन्द्र संचालको को निर्देशित किया है कि फार्म रजिस्ट्री का व्यापक प्रचार–प्रसार कर अपने क्षेत्र के समस्त कृषको का फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण करे, जिसकी दैनिक प्रगति समीक्षा जिला प्रबन्धक सहज जनसेवा केन्द्र के माध्यम से की जायेगी। कम प्रगति तथा उक्त कार्य को संपादित न करने वाले सहज जनसेवा केन्द्र संचालको का पंजीकरण निरस्त कर केन्द्र संचालन अवरूद्व कर दिया जायेगा। उन्होने जनपद के समस्त कृषक बंधुओ से अनुरोध किया है कि तत्काल अपने भूलेख का फार्मर रजिस्ट्री कराने का कष्ट करे, जिससे उन्हे पी0एम0किसान योजना की अगली किश्त प्राप्त करने में बिलम्ब न हो। किसान भाई उक्त कार्य अपने विकास खण्ड में स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डार पर जाकर तथा कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी से उक्त अभिलेखों के साथ सम्पर्क स्थापित कर भी कर सकते है। किसी भी प्रकार की असुविधा की दशा में कृषि भवन प्रतापगढ. में स्थापित किसान सहायता कक्ष में जानकारी प्राप्त करे।

खेलकूद में प्रतिभाग करने से शारीरिक और मानसिक विकास होता

सीतापुर(आरएनएस)। युवाओं को हमेशा खेलकूद में आगे रहना चाहिए। खेलकूद में प्रतिभाग करने से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेल के क्षेत्र में आज बालिकाओं की संख्या बढ़ी है। ओलंपिक में भी बालिकाएं बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश का नाम ऊंचा कर रही है। यह बात पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ अम्मार रिजवी ने जवाहर लाल नेहरू पॉलीटेक्निक के वार्षिक खेलकूद समारोह का शुभारंभ करते हुए कही। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि ने मार्च पास्ट की सलामी ली। अतिथियों का स्वागत संस्था प्रधानाचार्य सीपी त्रिपाठी ने माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

पहले दिन 800 मीटर बालक और बालिका दौड़ का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में सिविल अभियांत्रिकी के विवेक सिंह को प्रथम, कंप्यूटर साइंस के अमित कुमार को द्वितीय, सिविल के रंजीत मौर्य को तृतीय स्थान मिला। बालिका वर्ग में सिविल की काजल वर्मा को प्रथम, शिखा देवी को द्वितीय, मान्या वर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

स्वास्थ्य कैम्प का किया आयोजन

प्रतापगढ। उ0प्र0 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी लखनऊ के अन्तर्गत सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र के तहत महिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद की अध्यक्षता में फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर निःशुल्क मिनी स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 शैलेन्द्र कुशवाहा, डा0 रीना प्रसाद, मेडिकल चिकित्सालय की डा0 अर्चना, नोडल अधिकारी सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र डा0 मनोज खत्री (फिजीशियन), एसएमओ डा0 राकेश द्वारा प्रतिभाग कर मिनी स्वास्थ्य कैम्प की शुरूआत की गयी। कैम्प में आने वाले जनमानस एवं रोगियों को एचआईवी/एड्स, आरटीआई/एसटीआई, क्षय रोग एवं हेपेटाईटिस बी व सी की जानकारी देकर उनके लक्षणों को बताते हुये कैम्प में कुल 130 पंजीकरण कराये गये। कैम्प में आने वाले लोगों जिनके परिवार के सदस्य प्रवासी है को विशेषकर जांच कराने के एवं एट रिस्क निगेटिव व विसंगत पार्टनर के खतरों के लक्षणों के बारे में बताया गया तथा सामान्य रोगियों को सलाह एवं सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र के विषय में जानकारी देते हुये सुरक्षा से सम्पूर्ण सुरक्षा तक कैम्प की आवश्यकता एवं उद्देश्य को पूरा करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद द्वारा सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र के कार्यो को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र के प्रबन्धक अमित कुमार सरकार, परामर्शदाता राहुल यादव एवं अर्चना श्रीवास्तव, ओ0आर0 डब्ल्यू इन्द्र प्रताप सिंह व सुमन मिश्रा एवं टीआई संस्था के स्टाफ एवं लैब टेक्निशीयन व अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

डीएम ने करवाया मां का दर्शन

मीरजापुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने चल रहे महाकुम्भ मेला–2025 के दृष्टिगत गुलाब कली बालिका इण्टर कालेज मोहनपुर जिगना, महाशक्ति इण्टर कालेज बिहसड़ा, वैद्य श्रीकान्त पाण्डेय कन्या इण्टर कालेज भटेवरा में बनाए गए अस्थायी विश्राम स्थल (होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेन सड़क पर अस्थायी विश्राम स्थल से सम्बन्धित होर्डिंग लगवाए ताकि आने वाले श्रद्धालुओ को यह जानकारी हो सके कि यहां पर निशुल्क विश्राम स्थल बनाया गया हैं।

उन्होंने कहा कि पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था रखते हुए शौचालयों की निरंतर साफ सफाई कराते रहें। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा कालीखोह मन्दिर पहुचंकर ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों निर्देशित करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं से साथ विन्रम व्यवहार रखते हुए उन्हें सुगमतापूर्वक दर्शन कराए। जिलाधिकारी ने विन्ध्याचल पहुंचकर परिक्रमा पथ व झांकी दर्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पूरे परिसर की निरंतर साफ सफाई कराते रहें। उन्होंने श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक दर्शन कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही साथ जिलाधिकारी ने स्वयं झांकी पर पहुंचकर श्रद्धालुओं को लाइन में लगाकर दर्शन कराया। निरीक्षण के दौरान एक वृद्ध महिला व्हील चेयर से मां का दर्शन कराने उनके परिजन लाइन में लगे था जिन्हे जिलाधिकारी के निर्देश पर ड्यूटीरत मजिस्ट्रेट के द्वारा से वीआईपी मार्ग से सुगमतापूर्वक दर्शन करवाया गया। तदुपरान्त जिलाधिकारी ने नटवा चौकी, जौनपुर तिराहा पहुंच कर ट्रैफिक व्यवस्था में लगे पुलिस अधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने जाम की स्थिति न बनने पाए इसके लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान अपर जिाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे देवेन्द्र प्रताप सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गोवा लाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

सीतापुर(आरएनएस)। विकासखंड परसेंडी के प्राथमिक विद्यालय उमरी का वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेरणा गीत "आओ हम सब नन्हे बच्चे विद्या गीत सुनाते हैं से किया गया। इस अवसर पर नौनिहालों ने राष्ट्रीय भावना एवं देश प्रेम से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम मनमोहक ढंग से प्रस्तुत कर दर्शकों व अभिभावकों का मन मोह लिया, विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम नैतिक सामाजिक चारित्रिक एंव शैक्षिक विकास में सहायक होते हैं। वार्षिकोत्सव में बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता तथा अच्छे कार्य करने का सन्देश दिया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ ने पुरुस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया। बालिका दौड़ में अनुष्का, कामिनी, प्रियांशी, बबली और बालक दौड़ में अनुज ,अनूप ,आयुष चित्र कला में कामिनी माही बबली सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

आईटी रेड में मिली 500 करोड़ की बेनामी संपत्ति, मचा हड़कंप

कानपुर । एसएनके पान मसाला ग्रुप पर आईटी रेड में मिली 500 करोड़ की बेनामी संपत्ति कानपुर समेत देश के 47 ठिकानों पर एसएनके पान मसाला समूह पर आईटी रेड 5वें दिन भी जारी है यह रेड 12 फरवरी से चल रही है छापेमारी में करीब 300 से ज्यादा आईटी अफसर लगे हैं पूरे रेड की निगरानी सीधे वित्त मंत्रालय से की जा रही है दिल्ली में बैठे अधिकारी हर घंटे अपडेट ले रहे हैं एसएनके पान मसाला समूह और करीबियों के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी के दौरान बड़े खुलासे हो रहे हैं छापेमारी में अभी तक 500 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्तियां हाथ लगी हैं ।

शैक्षणिक गुणवत्ता परखने के लिए किया निरीक्षण

मीरजापुर(आरएनएस)। प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय लालगंज की शैक्षणिक गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए शनिवार को औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कई खामियां उजागर हुईं।जिनमें स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही और एक शिक्षक की अनधिकृत अनुपस्थिति प्रमुख रहीं। संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। खंड विकास अधिकारी शैलेंद्र सिंह सबसे पहले एक प्राथमिक विद्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने परिसर और शौचालयों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। शौचालयों में गंदगी मिलने पर सफाई कर्मी की लापरवाही सामने आई।जिस पर नाराजगी जताते हुए उनका वेतन रोकने का आदेश दिया गया।इसके बाद शिक्षकों की उपस्थिति की जांच की गई।जिसमें सहायक अध्यापक नीरज यादव बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इस पर खंड विकास अधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को पत्र भेजकर उनके वेतन पर रोक लगाने की संस्तुति की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षकों की नियमित उपस्थिति अनिवार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कंपोजिट विद्यालय के निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी ने विद्यार्थियों से पहाड़े और अन्य शैक्षणिक प्रश्न पूछकर उनकी समझ का आकलन किया। उत्तर संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने शिक्षकों को प्रोत्साहित किया और शिक्षण को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के अंत में खंड विकास अधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सुमन शुक्ला, रंजना भारतीय, विभा सिंह, अमर सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

फल, शाकभाजी व पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन

अयोध्या(आरएनएस)। शनिवार को द्वितीय दो दिवसीय मण्डल स्तरीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय उद्यान गुप्तार पार्क (कम्पनी गार्डन) गुप्तार घाट, में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंडलायुक्त गौरव दयाल एवं जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह की उपस्थिति में पूर्वाह्न 10:00 बजे किया गया।प्रदर्शनी का अवलोकन मण्डलायुक्त महोदय एवं जिलाधिकारी, अयोध्या द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में मण्डल के समस्त जनपदों के जिला उद्यान अधिकारीध कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजित प्रदर्शनी में मण्डल के समस्त जनपदों से विभिन्न श्रेणियों के प्रदर्शन यथा फल, फूल एवं शाक भाजी व फल संरक्षण के विभिन्न उत्पाद व कलात्मक फूलों की रंगोली, साज सज्जा का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा मण्डल के 11 प्रगतिशील कृषकों को विशिष्ट औद्योगिक कार्यों के लिए बाराबंकी जनपद से मोईनुद्दीन को पॉलीहाउस में ग्लेडियोलस खेती, जगजीवन प्रसाद को आम, केला, आलू टमाटर आदि की खेती, अमेठी से यशकेन्द्र सिंह एवं कुलदीप सिंह को फलों में सुल्तानपुर से राम अछैबर को थाई अमरूद एवं कमलेश त्रिपाठी को डच रोज की खेती तथा अयोध्या में रवि वर्मा का स्ट्रॉबेरी एवं शिवम मिश्रा को शहद उत्पादन अम्बेडकरनगर से कुलदीप वर्मा को स्ट्रॉबेरी एवं सुनील वर्मा को केले की खेती करने के लिए कृषकों को मण्डलायुक्त द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में आयुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा गोष्ठी की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु पुष्प उत्पादन करने हेतु प्रेरित किया गया। उक्त क्रम में उप निदेशक उद्यान अयोध्या मण्डल अयोध्या श्रीमती गीता त्रिवेदी द्वारा कृषकों को औद्यानिक की खेती नवीनतम तकनीकियों का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा प्रसंस्करण आधारित इकाइयों को लगाने में विभाग का सहयोग प्रदान करने में अवगत कराया गया। उक्त गोष्ठी को वृहद रूप से और अच्छी तरह से किये जाने के निर्देश मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिया गया, तत्क्रम में उप निदेशक उद्यान महोदया द्वारा इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन प्रतिवर्ष कराने एवं और अच्छी तरह से करने का आश्वासन दिया गया।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

आवश्यक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षाएँ 15.02.2025 से प्रारम्भ हो चुकी हैं। बोर्ड परीक्षाओं की तिथि सारणी में पहले से ही अवगत कराया गया है कि बोर्ड परीक्षाएँ प्रातः 10:30 बजे (भारतीय समय अनुसार) शुरू होंगी। अतः सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा के दिन सुबह 10:00 बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना आवश्यक है।

इसके साथ यह भी ध्यान दें कि पूर्व निर्धारित तिथि– सारणी के अनुसार दिनाँक 25.02.2025 (विषय– सामाजिक विज्ञान, कक्षा–10) एवं दिनांक 27.02.2025 (विषय– रसायन विज्ञान, कक्षा–12) की परीक्षा देश के अन्य जनपदों के साथ प्रयागराज जनपद में भी आयोजित होगी। वहीं, दिनांक 26.02.2025 को महाशिवरात्रि मुख्य स्नान के कारण प्रयागराज और निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी भीड़ होने की भी संभावना है।

अतः प्रयागराज जनपद से बोर्ड की मुख्य परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे उक्त आयोजन के कारण विभिन्न जगहों पर भीड़ और ट्रैफिक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचने की योजना पहले से बना लें और निर्धारित समय से परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना सुनिश्चित करें।

क्षेत्रीय अधिकारी
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

CBC 21107/12/0013/2425

महाकुंभ में भीड़ इसलिए बार कौंसिल की नई सुविधा

साक्षात्कार के लिए पहुंचने में दिक्कत तो यूपी बार कौंसिल में पंजीकरण को अश्वनलाइन साक्षात्कार की सुविधा दी

प्रयागराज। यूपी बार कौंसिल ने महाकुम्भ की भीड़ के कारण अधिवक्ता पंजीकरण के साक्षात्कार के लिए पहुंचने में असमर्थ अभ्यर्थियों को ऑनलाइन

साक्षात्कार की सुविधा प्रदान की करने का निर्णय लिया है। कौंसिल के सचिव के अनुसार भीड़ के कारण बार कौंसिल न पहुंच सकने वाले अभ्यर्थी https://forms-easebuzz-in/register/Bar3nitV/barcouncilup लिंक पर आवेदन कर साक्षात्कार के तीन दिवस पूर्व तक नियत शुल्क जमा कर सकते हैं। साथ ही शुल्क रसीद एवं संबंधित प्रपत्र डाउनलोड कर अपने ई–मेल आईडी एवं व्हाट्सऐप नंबर के साथ यूपी बार कौंसिल को ई–मेल से barcouncilup@gmail-com पर सूचित करें। ताकि संबंधित अभ्यर्थी को ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस लिंक और साक्षात्कार की तिथि व समय की सूचना प्रेषित की जा सके।

यूपी बार कौंसिल में अधिवक्ता पंजीकरण के लिए गत 24 व 25 जनवरी को हुए साक्षात्कार का परिणाम 24 फरवरी को यूपी बार कौंसिल की वेबसाइट upbarcouncil-com पर और कार्यालय में चस्पा कर दिया जायेगा। बार कौंसिल सचिव के मुताबिक साक्षात्कार में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का क्रमानुसार पंजीकरण पांच मार्च से प्रारम्भ होगा।

विहिप की बैठक में हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर मंथन, प्रयागराज में काशी प्रांत की बैठक में 200 से ज्यादा पदाधिकारी शामिल

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत की दो दिवसीय बैठक का रविवार को समापन हुआ। यहां केंद्रीय संयुक्त महामंत्री कोटेश्वर शर्मा ने कहा यह प्रांत की योजना बैठक वर्ष में 2 बार अपनी कार्ययोजना को लेकर होती है जिसमें केंद्र की बैठक के बाद बैठक में जो प्रस्ताव पारित होते हैं उसके क्रियान्वयन के लिए यह बैठक आयोजित होती है।

हिंदुओं की घटती जनसंख्या दर, हिंदू परिवारों के विखंडन, लिव इन रिलेशनशिप, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, हिंदू धर्म व संस्कृति के संवर्धन, छुआछूत से मुक्ति, अस्पृश्यता समाप्ति, सामाजिक समरसता का भाव बढ़े, हिंदू परिवार व्यवस्था सुदृढ़ हो, पर्यावरण की रक्षा हो, स्वदेशी के विषय का जागरण हो, सभी नागरिक शिष्टाचार का पालन करें जैसे विषयों उन्होंने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इन विषयों को पहले अपने व्यक्तिगत जीवन में फिर परिवार में फिर समाज में संकल्प लेकर अपने आचरण व्यवहार में लाना ही इन विषयों के प्रति जागरूकता का परिचायक होता है। उन्होंने कहा कि आज हम पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्लास्टिक का उपयोग ना हो। जैसे छोटे–छोटे विषय को लेकर अपनी महाकुंभ शिविर में भी हमने पर्यावरण रक्षा पालन के धर्म को निभाया है इसका संदेश भी देश और दुनिया में गया है। हम अपने घर से लेकर अपने कार्यस्थल तक स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करें। इस महाकुंभ शिविर में इसका प्रारंभ किया गया है। इस देश की पहचान हिंदुओं से है अगर हिंदू संख्या कम होगी तो इस देश की पहचान समाप्त होगी।

गौ रक्षा सामाजिक समरसता जैसे कार्यक्रमों में युवाओं को जागरूक करके उनकी भागीदारी करना उनको बुजुर्गों के सम्मान आदर भाव का स्वबोध करना यह सब कार्य हमें करना है। हमें सोशल मीडिया पर अपने खिलाफ मनगढ़ंत नॉरेटिव पर सतर्क रहना है जो हमें नुकसान व हमारी संस्कृति को चोट करने के लिए हमारी आस्था पर प्रहार करने के लिए नरेटिव तैयार किए जाते हैं उनसे भी अपने समाज को सजग करना हम सब की जिम्मेदारी है। आगे आने वाले समय में हम हितचिंतक अभियान चलाएंगे। व्यापक स्तर पर हितचिंतक अभियान चलेगा, संगठन के विचारों को समाज तक ले जाने की जिम्मेदारी हमारी है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र, प्रांत अध्यक्ष कविंद्र प्रताप सिंह, प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण सिंह, प्रांत संगठन मंत्री नितिन जी ,प्रांत उपाध्यक्ष कमला मिश्रा, प्रांत सह मंत्री प्रभुति कांत, उपाध्यक्ष विद्याभूषण, दुर्गा वाहिनी की संयोजिका दिव्या सिंह, शुभांगी सिंह, गुड़िया सिंह, सीमा शुक्ला, सह मंत्री सत्य प्रकाश सिंह व काशी प्रांत दुर्गा वाहिनी की सहसंयोजीका डॉ. दीपा यादव आदि रहे।

ओडिसा के सीएम मांझी सहित कई वीआईपी ने संगम में किया स्नान, भारत की जीत के लिए हुई विशेष पूजा

प्रयागराज। त्रिवेणी तट पर श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिल रहा है। करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के बड़े नेता, संत–महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी इस महापर्व में शामिल हो रहे हैं। रविवार को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने पुण्य डुबकी लगाई। करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम स्नान आने के साथ ही यहां चौंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कुंभ के आयोजनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं... यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं। भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा, ष्यह पुण्य का क्षण है। मैं आज पुरी से प्रयागराज पहुंचा हूं। यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने संगम स्नान के बाद यहां की व्यवस्था की सराहना की। कहा कि आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं देखकर वह अभिभूत हैं। संबित पात्रा ने कहा कि यहां आना और पवित्र डुबकी लगाना सौभाग्य की बात है। मैंने पुरी से प्रयागराज की यात्रा की और यहां आकर महसूस हुआ कि जन्मों के पुण्य से ही महाकुंभ संगम स्नान का अवसर मिलता है। महाकुंभ की व्यवस्थाएं अभूतपूर्व हैं, सड़कों की सुव्यवस्था से लेकर श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन के लिए अनाउंसमेंट तक, हर छोटी से छोटी चीज का ध्यान रखा जा रहा है। भक्ति संगीत के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, ष्भारत श्रद्धा की भूमि है। लोग भारी बैग लेकर यहां आ रहे हैं, लेकिन उनके दिल श्रद्धा से भरे हुए हैं। खेर ने कहा कि इस तरह का आयोजन विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रतीक है। प्रयागराज में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विशेष श्पूजाश और श्आरतीश का आयोजन किया गया।

माफिया अतीक का ड्राइवर ट्रेन के आगे कूदा

उमेश पाल हत्याकांड में शामिल था बेटा अरबाज, प्रयागराज में दो साल पहले हुआ था एनकाउंटर

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के ड्राइवर आफाक अहमद (56) ने सुसाइड कर लिया। शनिवार को प्रयागराज में ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। आफाक अहमद उमेश पाल हत्याकांड में एनकाउंटर में मारे गए शूटर अरबाज का पिता था। परिवार वालों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि बेटे की मौत के बाद से वह डिप्रेशन में चल रहे थे।

आफाक अहमद प्रयागराज के पूरामुफ्ती क्षेत्र के सल्लाहपुर गांव के रहने वाले थे। शनिवार सुबह किसी काम से पावन गांव गए थे। वहां से दोपहर करीब दो बजे घर लौट रहे थे। रास्ते में दिल्ली–हावड़ा रेलवे लाइन पर कुसुवां क्रासिंग के पास आ रही मालगाड़ी के आगे कूद गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

शव की पहचान होने के बाद

परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। पूरामुफ्ती पुलिस भी मौके पर पहुंचीं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि माफिया अतीक अहमद जब सांसद थे तो आफाक कार चलाता था। बेटा अरबाज भी अतीक अहमद के लिए काम करने लगा।

पूरामुफ्ती थाना प्रभारी मनोज सिंह के मुताबिक, आफाक अतीक की गाड़ी चलाता था। बाद में उसका

बेटा अरबाज अतीक के बेटे असद की गाड़ी चलाता था। परिवार ने बताया कि आफाक का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था।

बेटे की मौत के बाद से आफाक टूट गया था। जांच और कोर्ट के चक्कर की वजह से वह इन दिनों परेशान था। इसी वजह से उसने जान दे दी।

24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में वकील उमेश पाल की घर के बाहर हत्या कर दी गई थी। इस हमले का सीसीटीवी सामने आया था। इसमें आफाक का बेटा अरबाज भी नजर आया था। जांच में पता चला था कि अरबाज हमलावरों की कार चला रहा था।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद अरबाज पुलिस ने 27 फरवरी 2023 को धूमनगंज में नेहरू पार्क के पास अरबाज को घेर लिया। अरबाज ने फायरिंग कर दी थी, गोली थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्या के हाथ लगी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में अरबाज को ढेर कर दिया था। अरबाज के सीने और पैर में गोली लगी थी। अरबाज को अतीक का बेहद खास माना जाता था।

25 फरवरी को भी कामकाज ठप करेंगे हाईकोर्ट के वकील

अधिवक्ता संशोधन विधेयक के विरोध में यूपी बार कौंसिल के आह्वान पर फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक के विरोध में यूपी बार कौंसिल के आह्वान पर मंगलवार को भी न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। यह निर्णय हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। संयुक्त सचिव प्रेस पुनीत शुक्ल के अनुसार बैठक में 24 फरवरी को सामान्य दिनों की तरह कार्य करने और 25 फरवरी को यूपी बार कौंसिल के आह्वान पर न्यायिक कार्य से विरत होकर प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन विधेयक का विरोध जताने का निर्णय लिया गया है। बैठक में उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, अखिलेश कुमार मिश्र सुभाष चंद्र यादव व नीलम शुक्ला, संयुक्त सचिव सुमित कुमार श्रीवास्तव, अभिजीत कुमार पांडेय व आंचल ओझा, कोषाध्यक्ष रणविजय सिंह, गवर्निंग काउंसिल सदस्य उदिशा त्रिपाठी, किरन सिंह, अभिषेक मिश्र, अवधेश मिश्र, अभिषेक तिवारी, दिनेश यादव, सर्वेश्वर लाल श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने कहा– एफआईआर है तो पासपोर्ट न जारी करना

कोर्ट ने पासपोर्ट विभाग को याची के पासपोर्ट पर निर्णय लेने का निर्देश दिया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पासपोर्ट बनने को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर है तो पासपोर्ट नहीं बनेगा यह अनुचित है।

हाईकोर्ट ने पासपोर्ट विभाग को याची के पासपोर्ट पर निर्णय लेने का निर्देश देते हुए पवन कुमार राजभर बनाम भारत संघ के मामले में दिए गए निर्णय के हवाले से कहा कि एफआईआर दर्ज होने के कारण पासपोर्ट जारी करने से इनकार करना अनुचित है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र एवं न्यायमूर्ति वीसी दीक्षित की खंडपीठ ने कैलाश सिंह की याचिका पर उनके अधिवक्ता आदर्श शुक्ल व सरकारी वकील को सुनकर दिया।

मामला प्रयागराज के फूलपुर थाना क्षेत्र में हरभानपुर गांव निवासी याची कैलाश सिंह का है। उनके खिलाफ फूलपुर थाने में आईपीसी की धारा 149, 147, 452, 333, 506 व 425 के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। इस एफआईआर के कारण याची का नया पासपोर्ट नहीं बन पा रहा था। इस पर याचिका दाखिल की गई।

अधिवक्ता ने कहा कि पवन कुमार राजभर बनाम भारत संघ व दो अन्य के मामले में हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के कारण उसे पासपोर्ट जारी करने से इनकार करना अनुचित है।

26 फरवरी तक डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द

एसआरएन हॉस्पिटल के ट्रामा सेंटर, बर्न यूनिट सर्जरी और कार्डियोलॉजी में 24 घंटे मिलेगा इलाज

प्रयागराज। महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व 26 फरवरी को है। इसके लिए अस्पतालों में तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंडल के सबसे बड़े स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं और बेहतर कराई गई हैं। महाशिवरात्रि तक स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की छुट्टी रद कर दी गई है।

अस्पताल में 40 बेड ट्रॉमा सेंटर, 50 बेड सर्जिकल आईसीयू, 50 बेड मेडिसिन वार्ड, 50 बेड पीएमएसएसवाई वार्ड और 40 बेड बर्न यूनिट रिजर्व रखे गए हैं। इसके अलावा, 10 बेड कार्डियोलॉजी वार्ड और 10 बेड आईसीयू की व्यवस्था की गई है।

30 सीनियर डॉक्टरों की लगाई गई ड्यूटी

चिकित्सीय सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 30 वरिष्ठ डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि 180 रेजिडेंट डॉक्टर 24 घंटे सेवाएं देंगे। 500 से अधिक नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ भी तैनात रहेगा।

आपातकालीन सुविधाओं के तहत दो अल्ट्रासाउंड मशीनें, दो एक्स–रे मशीनें, दो सीटी स्कैन मशीनें और

एक एमआरआई मशीन 24 घंटे कार्यरत रहेंगी। पैथोलॉजी सेवाएं भी पूरे समय उपलब्ध रहेंगी, जिसके लिए ट्रॉमा सेंटर और पीएमएसएसवाई में कलेक्शन सेंटर तैयार किए गए हैं।

200 यूनिट ब्लड बैंक सुरक्षित रखा गया

डॉ. राजकुमार बताते हैं कि रक्त की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 200 यूनिट से अधिक रक्त कोष में सुरक्षित रखा गया है। संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी प्रधानाचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा के निर्देशन में की जा रही है, जबकि उप–प्रधानाचार्य डॉ. मोहित जैन और प्रमुख अधीक्षक डॉ. अजय सक्सेना विशेष रूप से मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

सेवा प्रदाता कंपनियों को अपने कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, वहीं हाउसकीपिंग एजेंसियों को सख्त हिदायत दी गई है कि सफाई व्यवस्था में कोई लापरवाही न हो।

अस्पताल में उपलब्ध है सभी आवश्यक संसाधन

प्रधानाचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा ने कहा कि स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल पूरी तरह तैयार है। अस्पताल में सभी आवश्यक संसाधन, विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं।

श्रद्धालुओं और मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारी पूरी टीम प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत रहेगी। स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचें, जहां 24 घंटे निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

महाकुंभ में वरिष्ठजनों को मिले स्वास्थ्य उपकरण

एम्स समेत कई अस्पतालों के डॉक्टर कर रहे मुफ्त जांच, 1847 लोगों को हुआ फायदा

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में वरिष्ठजनों की सेहत का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। समाज कल्याण विभाग ने कुंभ क्षेत्र के सेक्टर–7 में श्रवण कुंभ का आयोजन किया है।

यहां वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य जांच के बाद जरूरत के हिसाब से मुफ्त उपकरण दिए जा रहे हैं। अब तक 1847 वरिष्ठजनों को विभिन्न उपकरण मिल चुके हैं। इनमें कान की मशीन, कमर और घुटने की बेल्ट, छड़ी, व्हीलचेयर, स्पाइनल सपोर्ट और कॉलर सर्विकल शामिल हैं।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण के निर्देश पर लगे इस शिविर में देशभर के विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक ए.के. सिंह ने बताया कि एम्स दिल्ली, पीजीआई लखनऊ और चंडीगढ़ के अलावा केरल, राजस्थान, कर्नाटक और पंजाब से आए डॉक्टर मरीजों की मुफ्त जांच कर रहे हैं। विभाग ने कुंभ क्षेत्र में 100 बिस्तरों का अस्थायी वृद्धाश्रम भी बनाया है। यहां विभाग के वृद्धाश्रमों में रहने वाले निराश्रित बुजुर्गों को लाकर संगम स्नान कराया जाता है। शिविर में वरिष्ठजनों के लिए ओपीडी की भी सुविधा है।

महाकुंभ– पार्किंग में कार में धमाके के बाद आग लगी

कार में रखा छोटा सिलेंडर फटा, सोते समय पश्चिम बंगाल का श्रद्धालु घायल

प्रयागराज। महाकुंभ आने वाली गाड़ियों के लिए झूंसी के बदरा सोनौटी गांव के कछार में पार्किंग बनाई गई है। इसमें खड़ी एक कार में शुक्रवार आधी रात को ब्लास्ट हो गया। जांच में पता चला कि कार में छोटा गैस सिलेंडर रखा था, जिसके ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ। कार में सो रहा एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है।

खून से लथपथ घायल को शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में पश्चिम बंगाल की क्रेटा कार के परखच्चे उड़ गए।

कार में छोटा सिलेंडर और चूल्हा था दरअसल, पश्चिम बंगाल से कुछ श्रद्धालु क्रेटा कार से संगम स्नान के लिए शुक्रवार को दिन में आए थे। इन्होंने अपनी कार झूंसी के कछार में पार्किंग में खड़ी की थी। कार खड़ी करने के बाद सभी श्रद्धालु संगम स्नान के लिए चले गए।

चश्मदीदों और गांव वालों के मुताबिक, कार में एक छोटा गैस सिलेंडर और चूल्हा भी रखा था। संगम स्नान से लौटने के बाद सभी ने पार्किंग में ही खाना भी बनाया था। इसके बाद सभी श्रद्धालु कहीं घूमने चले गए। पार्किंग में खड़ी कार में एक व्यक्ति सो गया। रात करीब 2 बजे कार में जोरदार धमाका हुआ।

धमाके के बाद कार में आग लगी ब्लास्ट के बाद कार में आग भी लग गई। आनन–फानन पुलिस के साथ एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। मशक्कत के बाद कार में लगी आग को बुझाया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062